सीआरसी सिक्किम द्वारा पूर्वोत्तर भारत में पहली बार 'हिंदी में टिप्पण आलेखन एवं वार्षिक कार्यक्रम की अनुपालना' विषय पर ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला का सफल आयोजन

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र (सीआरसी), सिक्किम, जो **राष्ट्रीय गतिशील संस्थान (एनआईएलडी), कोलकाता** के अधीन कार्यरत है, द्वारा **राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय** के निर्देशानुसार दिनांक **15 जुलाई 2026** को **"हिंदी में टिप्पण आलेखन एवं वार्षिक कार्यक्रम की अनुपालना"** विषय पर एक व्यापक ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में सिक्किम राज्य के केंद्र एवं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों तथा कार्यालयों से लगभग **50 प्रतिभागियों** ने भाग लिया। प्रतिभागी संस्थानों में **लेखा महानियंत्रक (एजी) कार्यालय, सिक्किम; डाक विभाग; आकाशवाणी, गंगटोक; सिक्किम विश्वविद्यालय; राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), गंगटोक; सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), गंगटोक; स्पाइस बोर्ड; भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर); सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई); तथा राज्य शिक्षा विभाग, सिक्किम** सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थान सम्मिलित रहे।

कार्यशाला का शुभारंभ सीआरसी सिक्किम की निदेशक **सुश्री पुष्पांजलि गुप्ता** ने किया। उन्होंने अपने उद्घाटन संबोधन में **राष्ट्रीय गतिशील संस्थान, कोलकाता** के निदेशक **डॉ. ललित नारायण** के मार्गदर्शन एवं सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि उनके मार्गदर्शन में सीआरसी सिक्किम, पाक्योंग जिले के असम लिंग्जेय में पिछले छह वर्षों से दिव्यांगजनों के पुनर्वास एवं सशक्तिकरण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता **श्री राजेश कुमार मीणा**, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, **दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली** थे।

यह उल्लेखनीय है कि **"हिंदी में टिप्पण आलेखन एवं वार्षिक कार्यक्रम की अनुपालना"** विषय पर पूर्वोत्तर भारत में पहली बार इतने व्यापक स्तर पर ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन

किया गया। इस अवसर पर श्री मीणा ने विषय का विस्तृत एवं व्यावहारिक प्रस्तुतीकरण करते हुए सीआरसी सिक्किम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ सिक्किम राज्य के विभिन्न केंद्र एवं राज्य सरकारी विभागों तथा कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया।

अपने व्याख्यान में श्री मीणा ने हिंदी में टिप्पण एवं प्रारूपण लेखन की विधि का विस्तार से प्रशिक्षण दिया। उन्होंने राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों की प्रभावी अनुपालना पर विशेष बल दिया। साथ ही संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण की प्रक्रिया, निरीक्षण के दौरान प्रदर्शित किए जाने वाले अभिलेखों एवं आवश्यक दस्तावेजों की विस्तृत जानकारी भी प्रतिभागियों को प्रदान की।

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने विषय से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे, जिनका श्री मीणा ने सरल, स्पष्ट एवं व्यावहारिक शैली में उत्तर दिया। प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला को अत्यंत ज्ञानवर्धक, उपयोगी एवं प्रभावी बताया।

उल्लेखनीय है कि पूर्वोत्तर भारत में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं राजभाषा कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में इस प्रकार का व्यापक ऑनलाइन आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। हिंदी के संवर्धन एवं राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के क्षेत्र में सीआरसी सिक्किम की यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

कार्यक्रम के अंत में सीआरसी सिक्किम की निदेशक **सुश्री पुष्पांजलि गुप्ता** ने मुख्य वक्ता श्री राजेश कुमार मीणा तथा सिक्किम राज्य के विभिन्न विभागों एवं कार्यालयों से जुड़े सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हुआ।